मोर

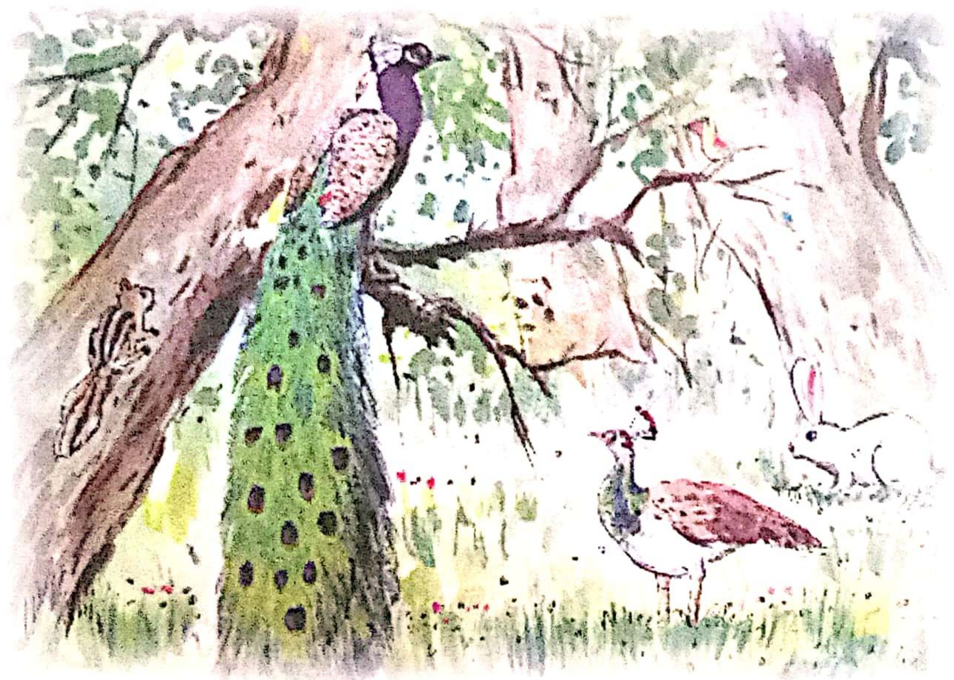

क्या तुमने कभी मोर देखा है? यह भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। मोर एक रंगीन पक्षी है जो देखने में बहुत सुन्दर होता है। मोर जब अपने पंख फैलाकर खड़ा होता है तब वह नजारा बहुत ही खुबसूरत होता है। मोर के लगभग 150 पंख होते हैं। बारिश के मौसम में मोर पंख फैलाकर नाचता है।

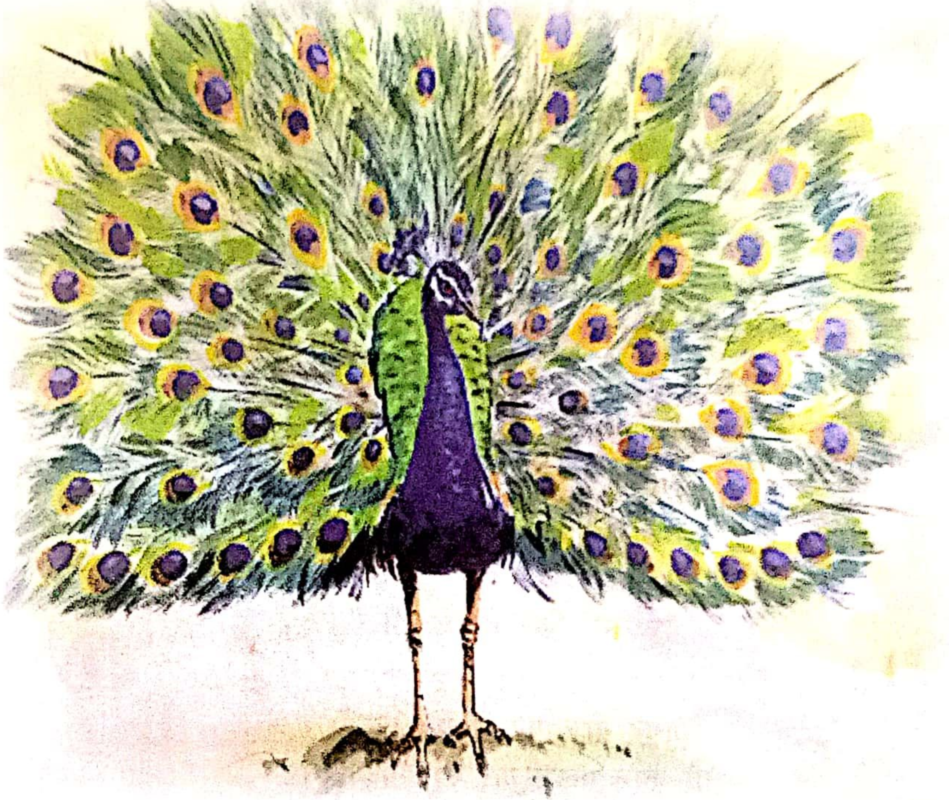

मोर समय आने पर अपने पंख खुद गिरा देता है। उन्हें तोड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ती। मोर का पंख लोग घरों में भी रखते हैं। इनका उपयोग घर में सजावट के लिए करते हैं। मोर घास और कीड़े मकोड़े खाता है। यहाँ तक कि वो साँप और छिपकली भी खा सकता है। इसलिए बहुत से लोग छिपकली भगाने के लिए मोर का पंख घरों में लगाते हैं।

Scanned with CamScanner

पाठ–14

भूरा की गेंद

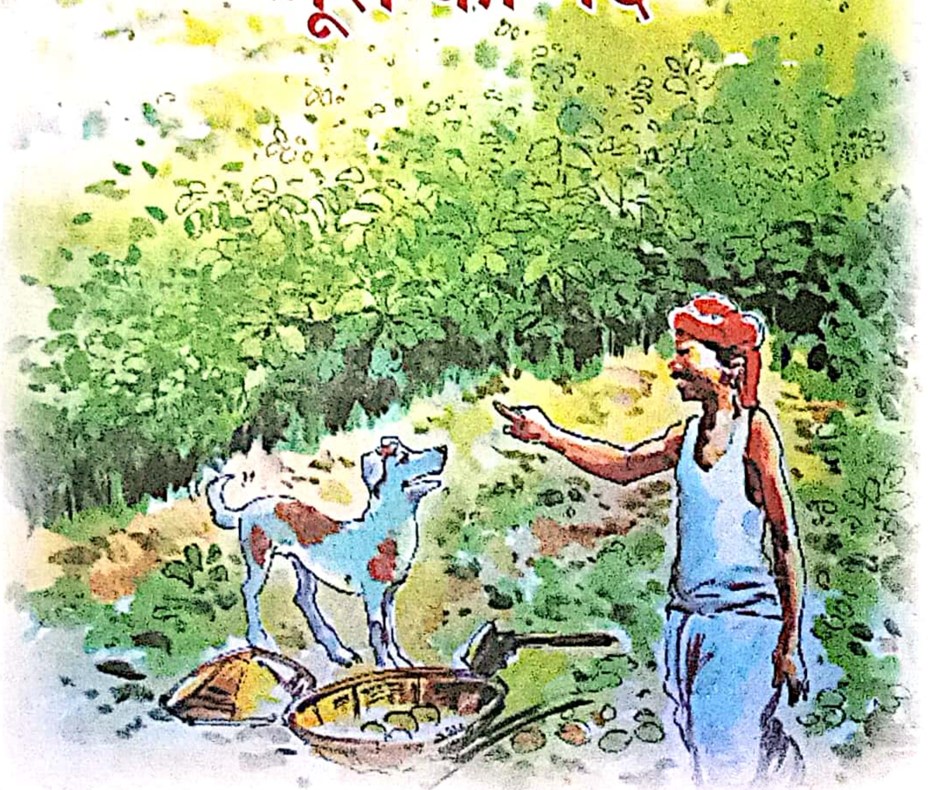

एक किसान के पास बड़ा-सा खेत था। उसने इस साल खेत में आलू लगाए। ज़मीन से आलू खोदने का समय आ गया था। किसान कमजोर था और आलू जमीन से खोदना उसके बस में नहीं था। भूरा कुत्ता उसके खेत के बगल में रहता था। आज भूरे की गेंद खो गई। वह किसान के खेत में गेंद ढूंढने जा पहुँचा।

कोड सं.– 29 बुर्दा ड्रक इण्डिया प्रा.लि., ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.। सत्र 2020–2021

भूरा ने किसान से पूछा कि मेरी गेंद कहाँ गई। उसने भूरा को देखा और कहा– ''गेंद तो जमीन खा गई।'' अब भूरा ने जमीन को खोदना शुरू कर दिया। जमीन से गोल गोल आलू निकलने लगे। उसने सारा खेत खोद दिया। मगर गेंद कहीं नहीं मिली। किसान ने चुपचाप गेंद निकाली और मेड़ पर रख दी। भूरा को गेंद मिल गई और किसान को खेत के आलू।

Scanned with CamScanner

चिड़िया के बच्चे

एक चिड़िया अपने तीन बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। तीनों बच्चे उड़ने से डर रहे थे। तभी चिड़िया ने एक पतंग कट कर आते देखी। उसे एक विचार आया। उसने अपने बच्चों से कहा- ''तुम इसकी डोरी पकड़ लो।'' तीनों बच्चों ने पतंग की डोरी पकड़ ली। सभी पतंग के साथ हवा में उड़ने लगे।

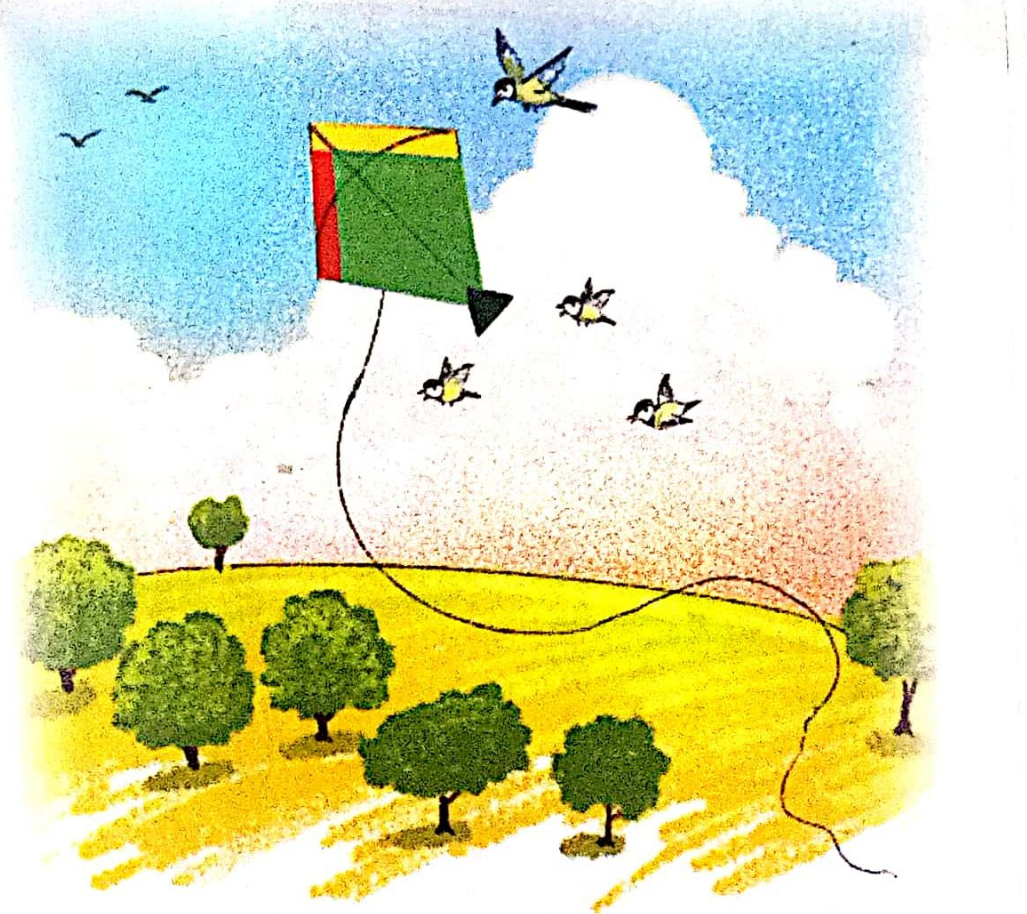

उड़ते हुए बच्चों को बहुत मजा आ रहा था। तब चिड़िया ने कहा- ''जब तुम खुद उड़ोगे तो तुम्हें और मजा आएगा।'' अब बच्चों का डर कुछ कम हो गया था। उन्होंने धीरे-धीरे अपने पंख फड़फड़ाए और डोरी छोड़कर उड़ने लगे। अब उन्हें पहले से ज्यादा मजा आने लगा। अब वे उड़ती पतंगों के साथ खुले आसमान में खेलने लगे।

Scanned with CamScanner

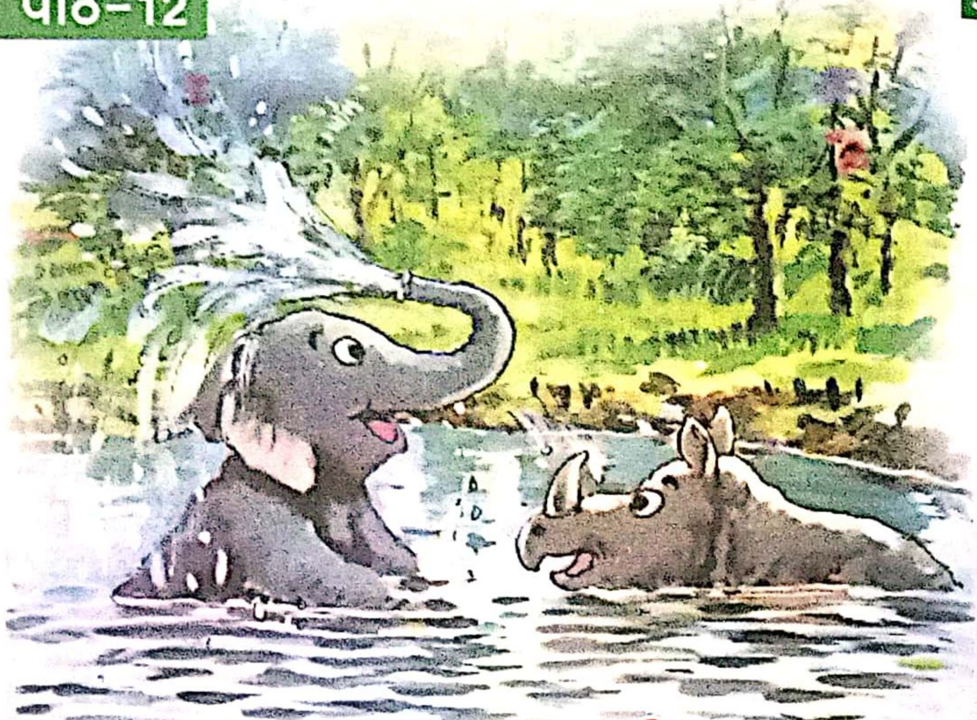

बबलू हाथी

बबलू हाथी को तालाब में नहाना बहुत पसंद था। वह रोज तालाब पर नहाने जाता और खूब खेलता। एक दिन उसे वहाँ भोला मिला, जो दिखने में उसके जैसा ही था। बबलू ने भोला से तालाब में नहाने को कहा। भोला तैयार हो गया। दोनों ने तालाब में खूब मस्ती की। भोला की नाक पर एक सींग था, जो बबलू को चुभ जाता था।

घर जाने पर बबलू की माँ उससे पूछती कि- ''चोट कैसे लगी?'' तो वह कहता- ''भोला हाथी की वजह से लगी।'' बबलू की माँ ने भोला को एक दिन दोपहर के खाने पर बुलाया। बबलू की माँ भोला को देखकर बहुत हँसी और बबलू से कहा- ''यह तो गैंडा है, हाथी नहीं।''

Scanned with CamScanner

दशहरा का मेला

दीपू और दीपा दशहरा का मेला देख कर लौटे थे। उन्होंने मेले में मिठाई, जलेबी, समोसा और चाट खाई। दीपू ने छोटे भाई और बहन के लिए गट्टा, मूंगफली, नमकीन और टॉफी खरीदी। दीपा ने भी गुब्बारे, खिलौने, चश्मा और पतंग खरीदी।

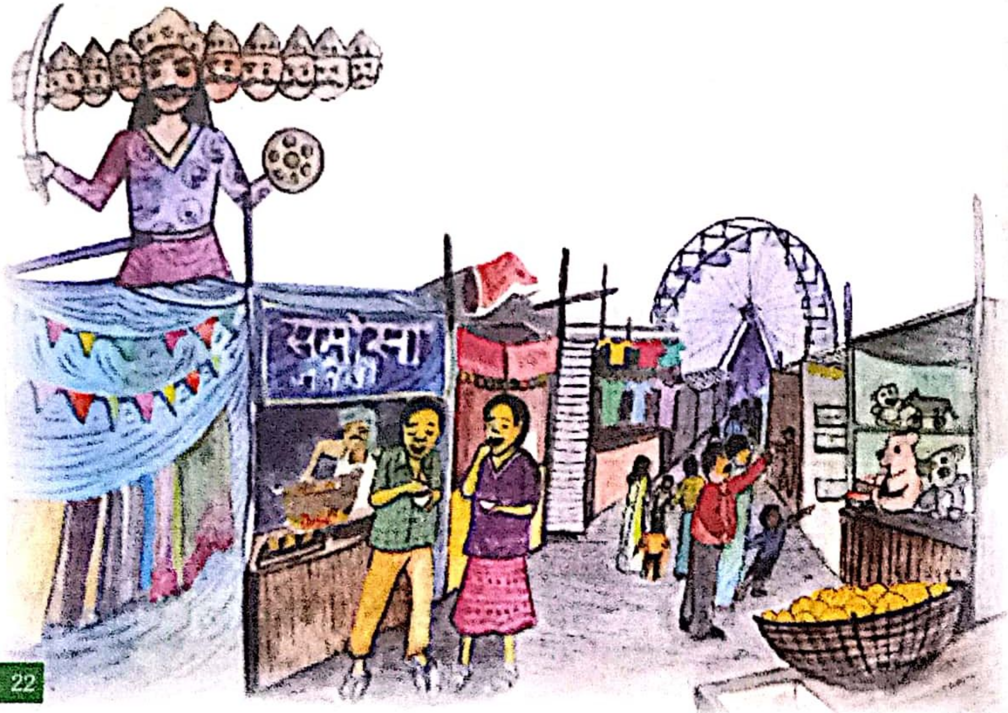

उन्होंने चित्र वाली किताब भी खरीदी और साथ में रंग भी खरीदे। फिर वो दोनों झूला झूले। अंत में उन्होंने रावण के पुतले को जलते हुए भी देखा। घर लौटते समय दीपा ने दीपू से पूछा– ''दशहरा का मेला क्यों लगता है?'' दीपू ने जवाब दिया– ''ताकि तू और मैं मिठाई, समोसे खा सकें और झूला झूल सकें।''

Scanned with CamScanner

पाठ–10

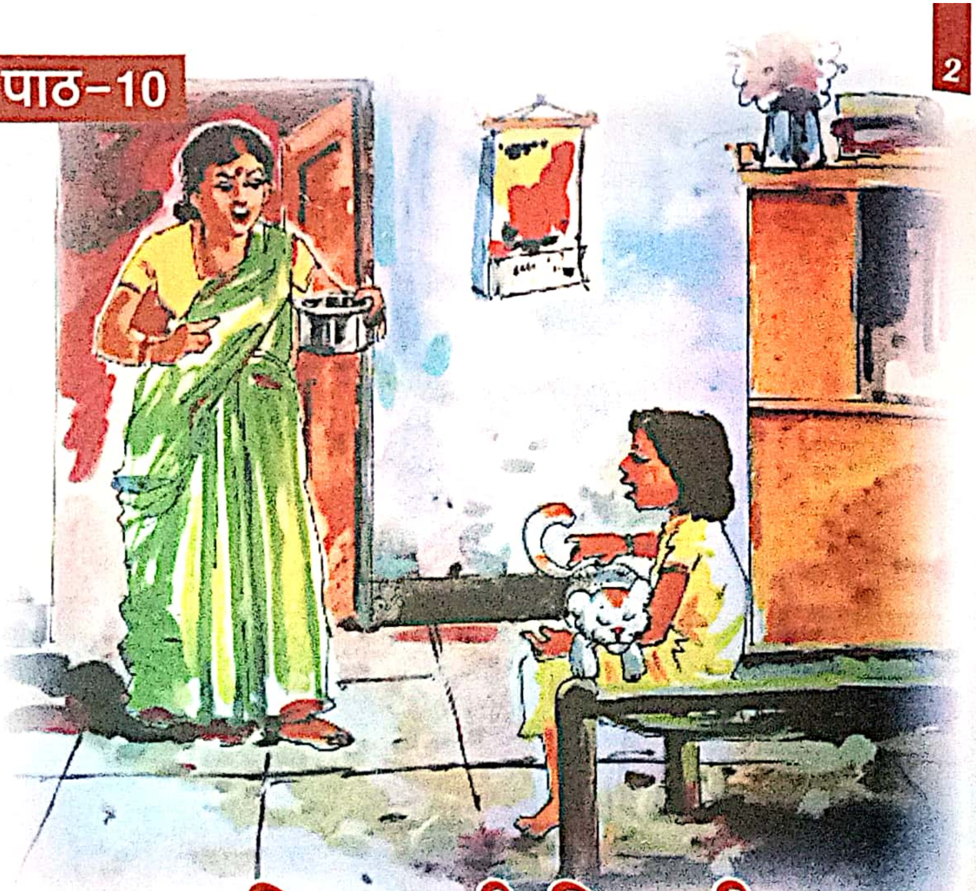

गुड़िया की बिल्ली

गुड़िया के घर में एक बिल्ली रहती थी। वह बहुत शैतान थी। एक दिन बिल्ली चुपके से सारा दूध पी गई। माँ बोली–"हाय रे! बिल्ली सारा दूध पी गई।" गुड़िया बोली– "हाँ तो क्या हुआ? दूध ही तो है।" एक दिन बिल्ली ने गुड़िया के भाई की किताब फाड़ दी।

कोड सं.– 29 बुर्दा ड्रक इण्डिया प्रा.लि., ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.। सत्र 2020–2021

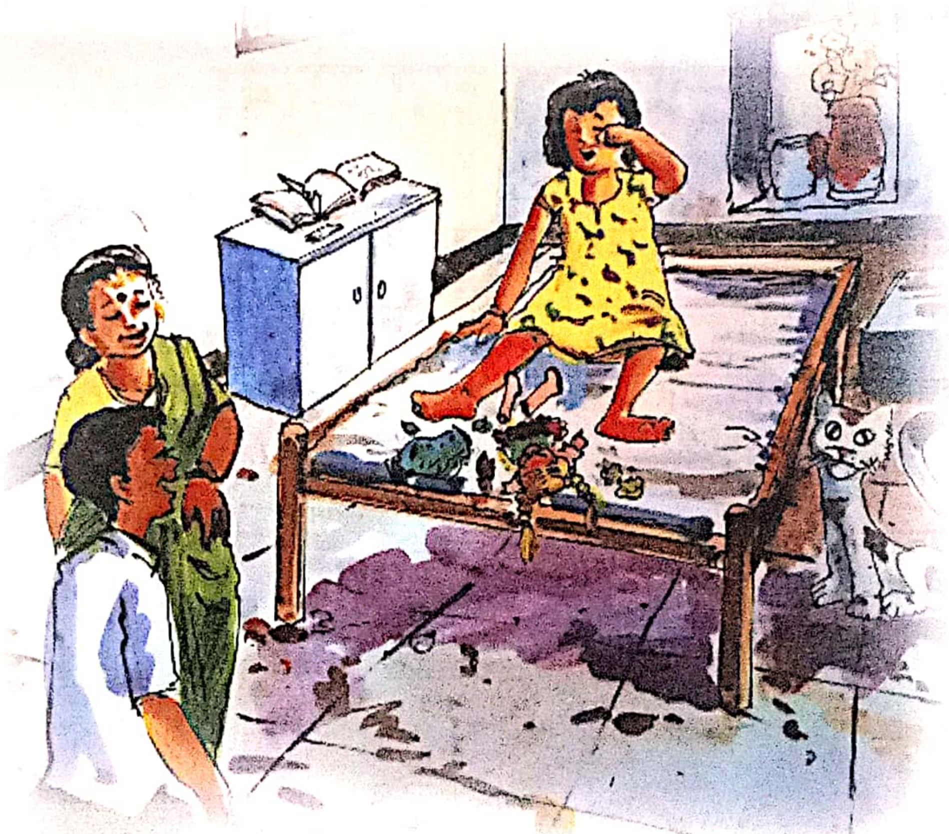

भाई बोला– "हाय रे! बिल्ली ने मेरी किताब फाड़ दी।" गुड़िया बोली– "तो क्या हुआ? किताब ही तो है।" तब एक दिन बिल्ली ने गुड़िया की गुड़िया तोड़ दी। गुड़िया बोली– "मम्मी, मेरी गुड़िया!" मम्मी और भाई जोर से हँसने लगे और बोले– "तो क्या हुआ? गुड़िया ही तो है।"

Scanned with CamScanner

बरसात का मौसम

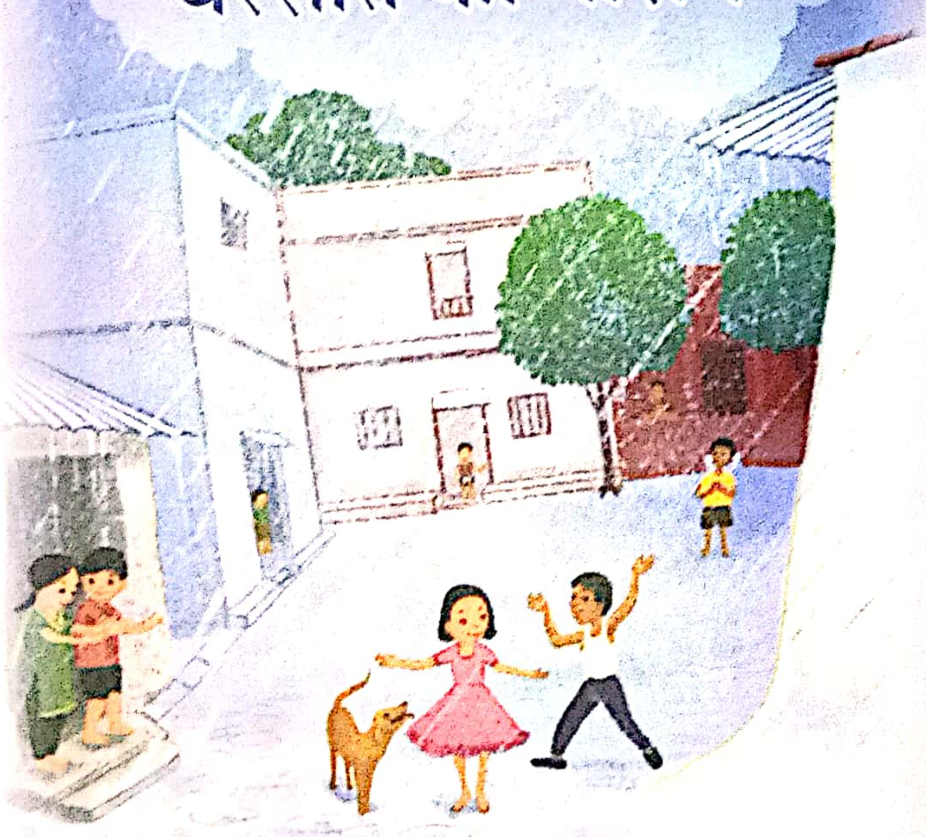

बरसात का मौसम था। गली के बच्चे सोनू के घर खेल रहे थे। तभी बरसात भी शुरू हो गई। बच्चों ने खेलना बंद कर दिया और बच्चे बाहर आकर बरसात के पानी में खेलने लगे। उन्हें मजा आ रहा था। सोनू का कुत्ता भी उनके साथ खेल रहा था।

तभी सबको टर्र-टर्र की आवाज सुनाई दी। कुत्ता टर्र-टर्र की आवाज से चौंक गया। उसने दो मेंढक देखे। वह उनको पकड़ने के लिए दौड़ा। कुत्ते को देखकर मेंढकों ने पानी में छलांग लगा दी। बच्चों को यह देखकर बड़ा मजा आया।

Scanned with CamScanner

पाठ-8

जादुई बीज

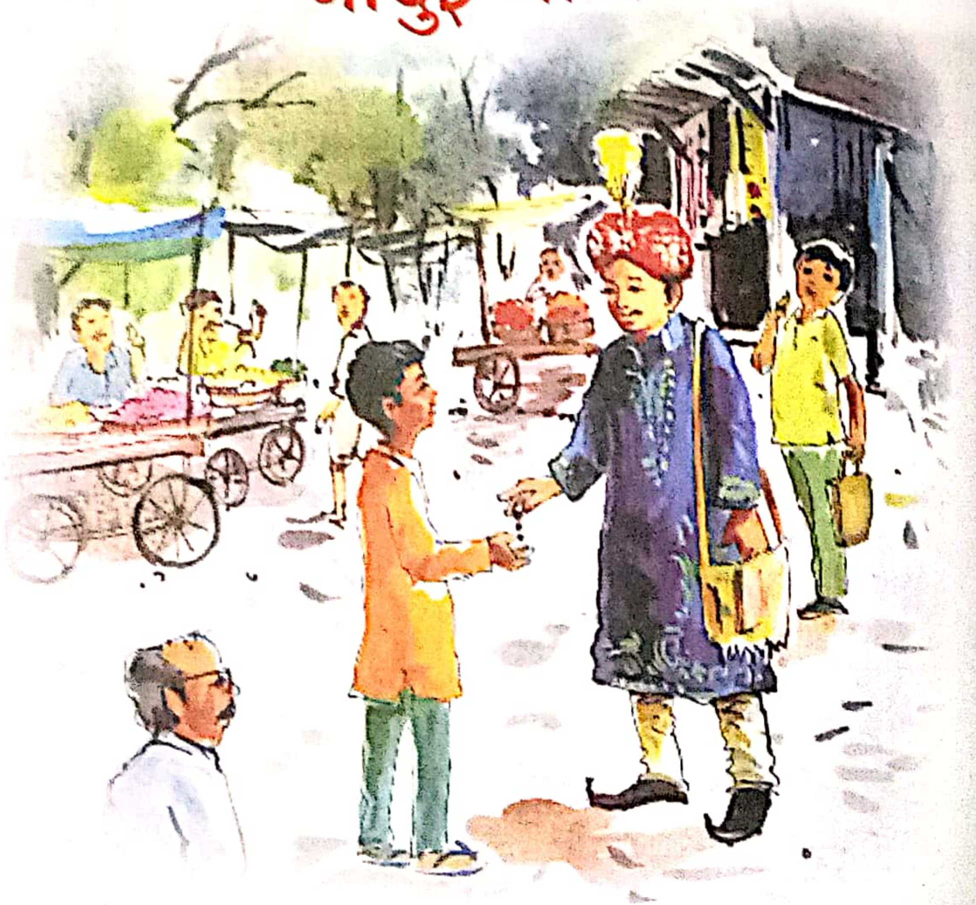

माँ ने राशिद को सेब लेने भेजा। रास्ते में एक लड़का जादुई बीज बेच रहा था। उसने राशिद से कहा– ''तुम जो भी फल चाहो इन बीजों से तुम ले सकते हो।'' राशिद ने उससे वो बीज खरीद लिए।

वापस आने पर माँ ने उससे पूछा– ''यह क्या लाए हो?'' राशिद ने जैसे ही हाथ आगे किया, माँ ने गुस्से से कहा– ''इससे कौन से फल उग आएंगे।'' यह कहकर माँ ने बीज बाहर फैंक दिए। देखते ही देखते वहाँ सेबों से लदा एक पेड़ उग गया। राशिद और माँ दोनों हैरान रह गए।

Scanned with CamScanner

पाठ–7

चीकू और मीकू

चीकू और मीकू गिलहरी साथ में रहती थीं। चीकू, मीकू का सारा खाना खा जाती थी। इसलिए मीकू बहुत परेशान रहती थी। चीकू खाना खा-खाकर बहुत मोटी हो गई। वह इतनी मोटी हो गई कि उससे चला भी नहीं जाता था।

एक दिन चीकू को जोर से भूख लगी। वह चूहे के बिल में खाना ढूंढने गई और फँस गई। मीकू दौड़ कर गई और चीकू को खींचकर बाहर निकाला। तब से उनकी दोस्ती गहरी हो गई। अब वह मिलकर खाना खाने लगीं।

Scanned with CamScanner

पाठ-6

मोनू बछड़ा

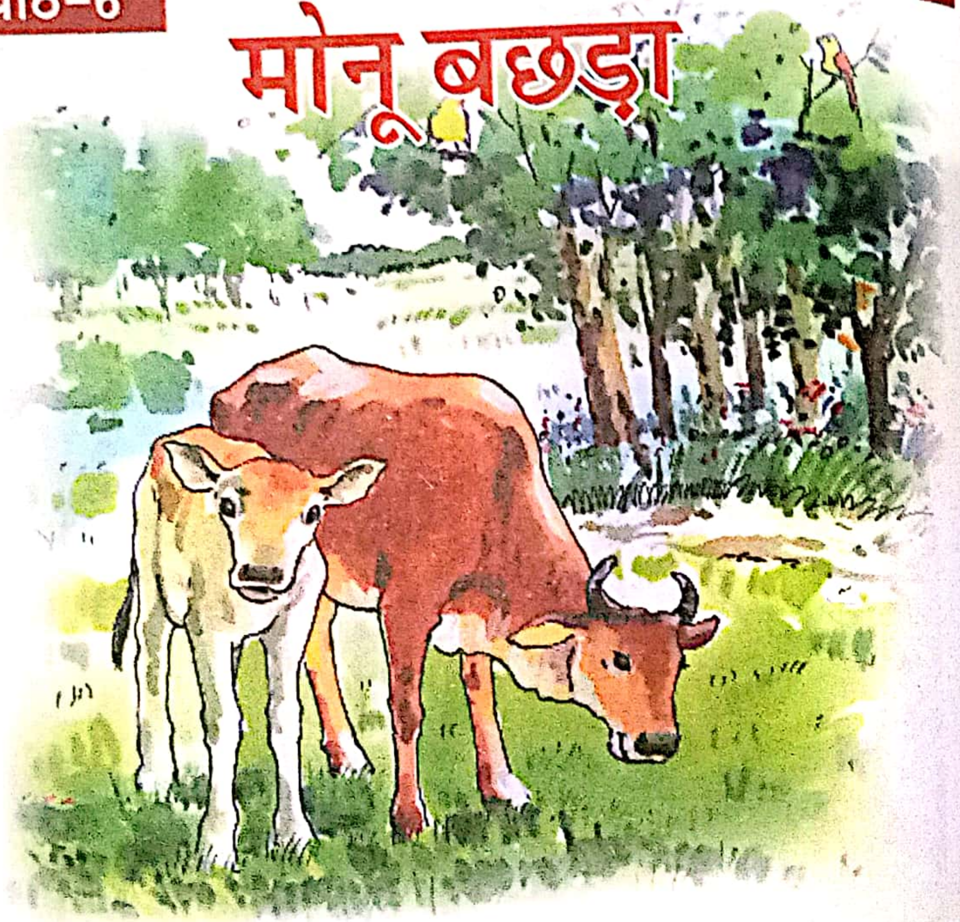

मोनू बछड़ा रोज अपनी माँ के साथ घास चरने जाता। उसे पक्षियों की आवाज़ सुनना बहुत पसंद था। वह हमेशा उन आवाज़ों का पीछा करता। एक दिन पक्षियों की आवाज़ का पीछा करते-करते वह खो गया। वह वापस जाने का रास्ता भूल चुका था।

2

कोड सं.– 29 बुर्दा ड्रक इण्डिया प्रा.लि., ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.। सत्र 2020–2021

उसे माँ की याद आने लगी। उसने एक कोयल की आवाज़ सुनी। कोयल ने उससे कहा– "तुम मेरी आवाज़ का पीछा करो।" मोनू कोयल की आवाज़ का पीछा करने लगा। पीछा करते-करते वह अपनी माँ के पास पहुँच गया।

Scanned with CamScanner

मेंढकी और चिड़िया

एक थी मेंढकी और एक थी चिड़िया। वह दोनों घूमने निकली। उन्हें एक कुआँ मिला। चिड़िया तो फुर्र से उड़ गई। मेंढकी कुएँ में गिर गई। चिड़िया कहने लगी– ''कैसी रही ?'' मेंढकी बोली– ''मुझे मजा आ रहा है। मैं तो नहा रही हूँ।''

फिर दोनों आगे चलती गईं। आगे उन्हें बाढ़ मिली। चिड़िया फुर्र से उड़ गई। मेंढकी बाढ़ में फँस गई। चिड़िया कहने लगी ''कैसी रही ?'' मेंढकी बोली– ''मुझे मजा आ रहा है। मैं तो पीठ खुजला रही हूँ।''

Scanned with CamScanner

पाठ–4

बंदर का चश्मा

एक बंदर खाने की तलाश में मकान की छत पर चढ़ा। वहाँ उसे एक चश्मा मिला। चश्मा पहन कर बंदर को सब उल्टा दिखने लगा। बंदर बोला– ''अरे! यह क्या? आसमान नीचे और जमीन ऊपर।'' बादलों को नीचे देखकर बंदर को बहुत मजा आया।

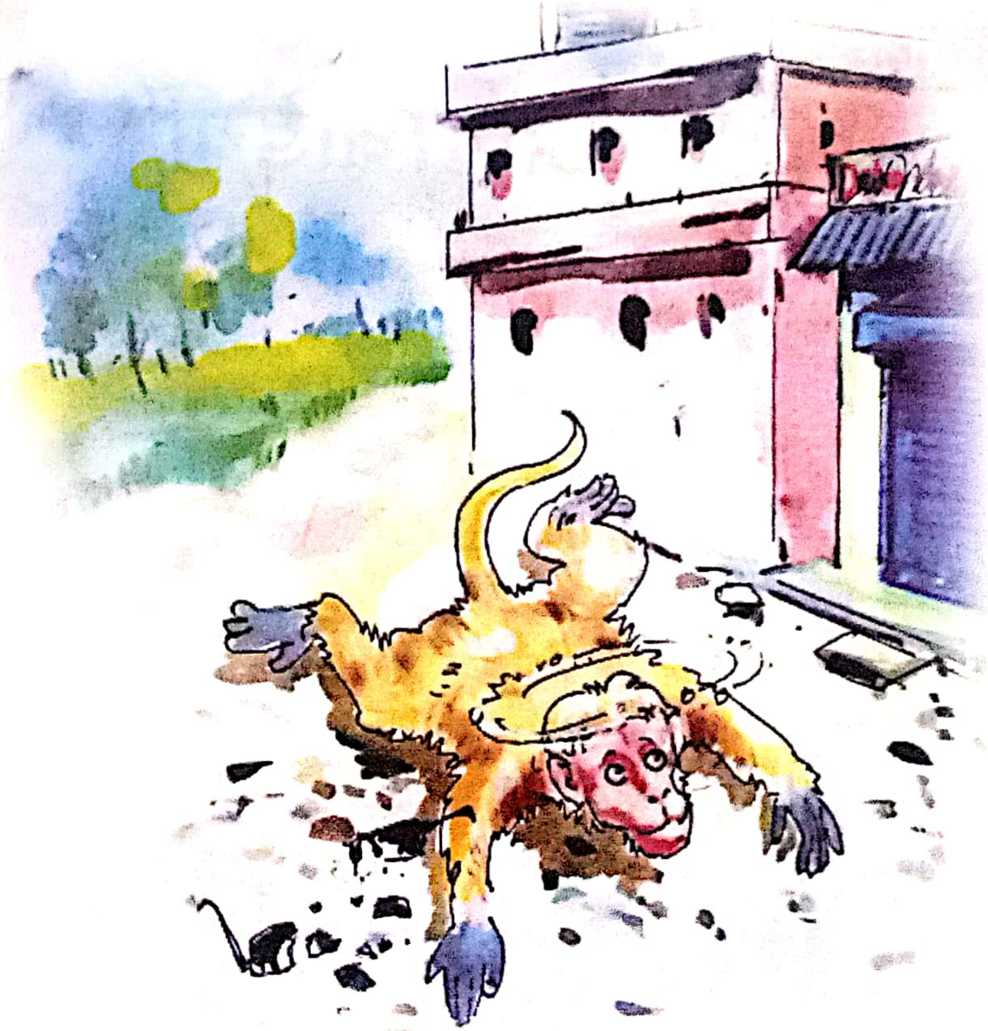

वह छत से बादल पकड़ने के लिए नीचे कूदा और गिरा, धड़ाम....। बंदर का चश्मा भी टूटा, चटाक...। अब बंदर को न बादल दिखे, न आसमान।

Scanned with CamScanner

माही और सुरेश की पतंग

माही और सुरेश दोस्त थे। एक दिन दोनों पतंग उड़ा रहे थे। दोनों की पतंगे आसमान में बहुत ऊँचाई तक उड़ रहीं थीं। तभी तेज आँधी आ गई। आसमान से सर्र-सर्र की तेज आवाज़ें आने लगीं।

दोनों की पतंगे कभी दाएं कभी बाएं भाग रही थीं। धूल की वजह से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। पतंगे फर फराते-फराते आपस में फँस गई। दोनों की पतंगे फटकर जमीन पर गिर गई।

Scanned with CamScanner

पाठ–2

कौए की भूख

कौए को भूख लगी। वह एक आम के पेड़ पर जा बैठा। पेड़ पर आम लगे हुए थे। उस पेड़ पर एक पीला गुब्बारा भी अटका हुआ था। कौए को यह गुब्बारा एक मोटे आम जैसा लगा।

कोड सं.– 29 बुर्दा ड्रक इण्डिया प्रा.लि., ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.। सत्र 2020–2021

गुब्बारे को देखकर कौए की भूख और बढ़ गई। वह गुब्बारे के पास गया। जैसे ही उसने खाने के लिए गुब्बारे में चोंच मारी वह फूट गया- फटाक....। कौआ डर कर उड़ गया।

Scanned with CamScanner

साइकिल

पापा ने रमन के लिए साइकिल खरीदी। रमन साइकिल चलाना सीखने लगा। एक दिन रमन साइकिल चला रहा था। सड़क पर एक कुत्ता सोया हुआ था।

रमन कुत्ते को नहीं देख पाया। उसकी साइकिल कुत्ते से टकरा गई। कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा। रमन डर गया। वह साइकिल छोड़कर वहाँ से भाग गया।

Scanned with CamScanner

कविता

छुन-छुन, छुन-छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

हाथ से उछली
मुँह में पहुँची,
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

मेरे मन को
भाई पकौड़ी।

– सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

शिक्षक के लिए – शिक्षक कविता बच्चों को पढ़कर सुनाएँ और उनके साथ मिलकर गाएँ।

Scanned with CamScanner

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

मिशन प्रेरणा

Language and Learning foundation

Strong Foundation. Stronger Future

सहज-2

कक्षा-2

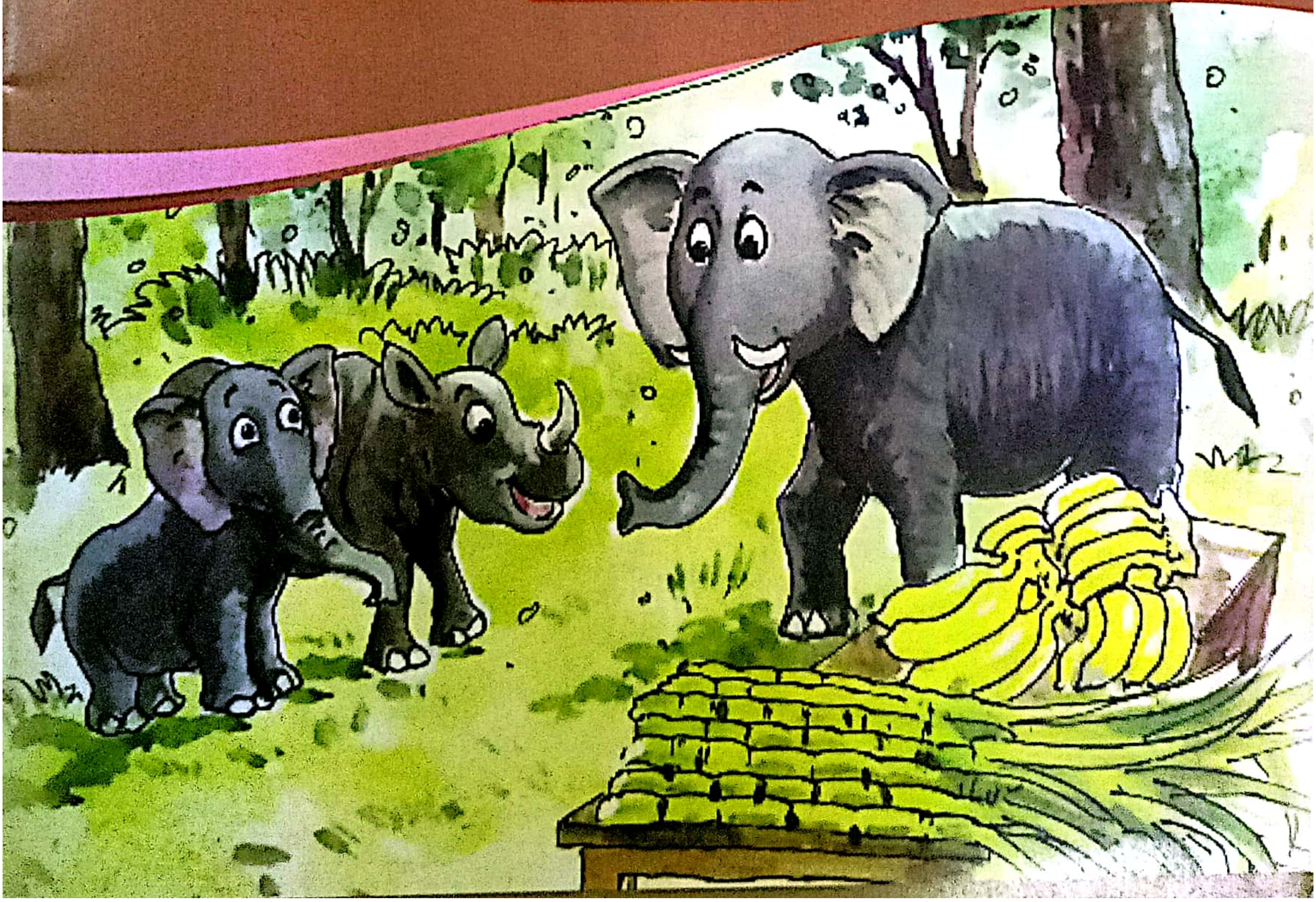

Scanned with CamScanner

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मिशन प्रेरणा

Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

सहज-2

कक्षा-2

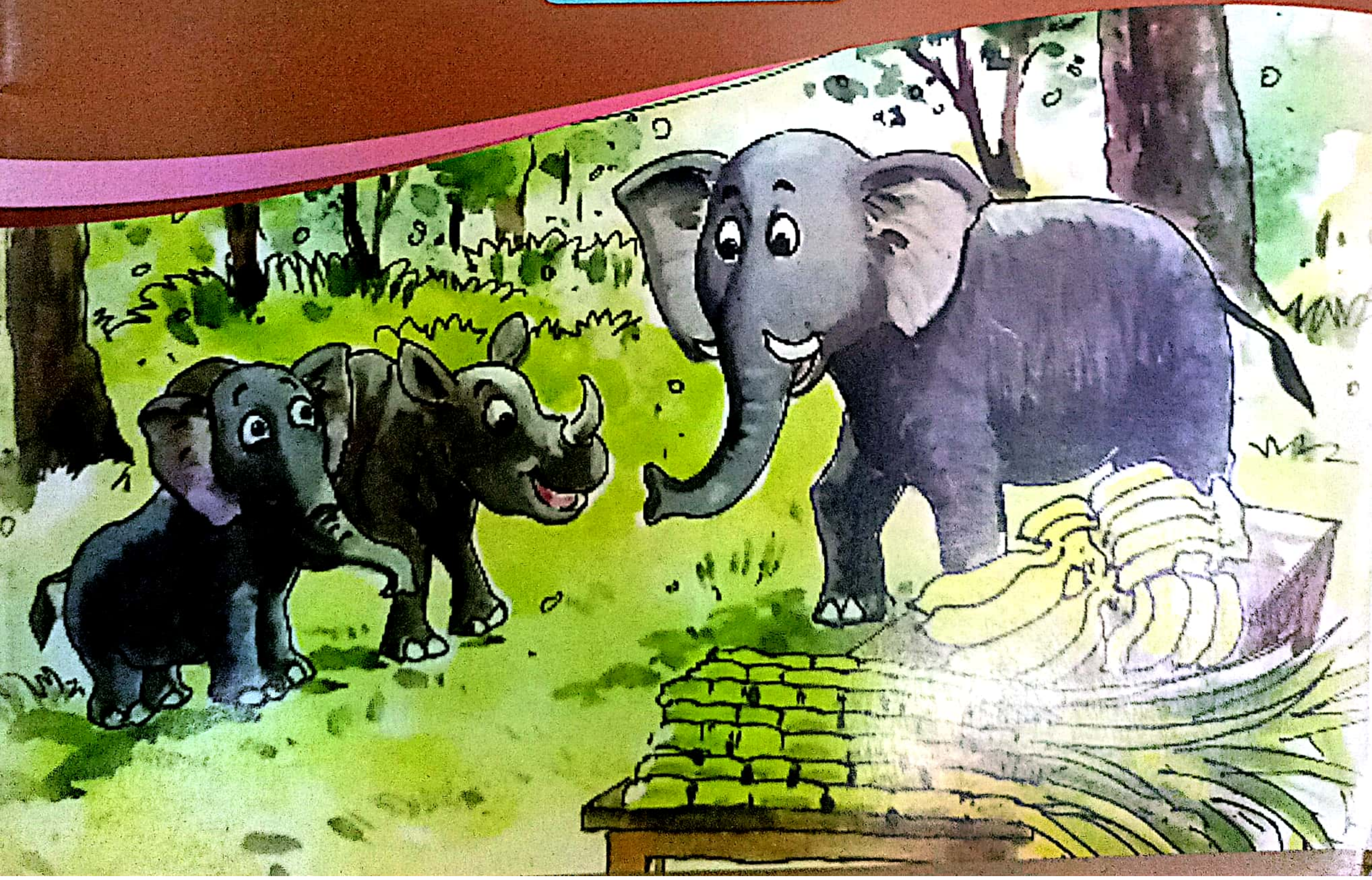

Scanned with CamScanner